and may I know whether they should not indicate the exact time of departure or the route flown because of the provisions of the international law?

Shri Raj Bahadur: They are governed by certain conventions. When they enter any flight information region of a particular station, they have to indicate that they have entered it and so also, when they leave, that they are leaving. These times are recorded also for navigational and safety purposes and other allied matters.

Shri P. R. Chakraverti: May I know whether there has been any occasion on the part of India to chase any such plane of Pakistan flying over our territory?

Shri Raj Bahadur: In this particular case, the Pakistan authorities told us that Dacca could not be contacted. Our aircraft also bore out that the Dacca airport could not be contacted because of faulty communication links. There were some atmospheric disturbances also. Naturally, therefore, they did not know about the departure. But I would only say that how far they were justified to intercept it by a fighter is a matter which is obvious.

Shri P. C. Borooah: Since the commencement of hostilities between the two countries, the IAC services had to be diverted by a longer route. May I know what is the length by which it is longer and whether there is any chance of suspending these air services in the near future?

Shri Raj Bahadur: It is true that flights across Pakistan territory have been stopped so far as IAC is concerned. Similarly reciprocal action has been taken in respect of Pakistani flights. They cannot overfly across our territory. The other route is definitely longer, by how many miles I cannot say.

श्री हुकमचन्द कछवाय : इंडियन स्काई-मास्टर को पाक फ़ाइटर द्वारा जो चेज किया गया था तो उसे कितनी देर तक रोका गया और उससे क्या बातचीत पाकिस्तान के लोगों ने की ?

श्री राज बहादुर : पाकिस्तान के फ़ाइटर दोनों तरफ़ आ गये और उससे कुछ इशारा किया जो कि उन्होंने समझ नहीं पाया । उसके बाद वह अपनी राह चले गये और हमारा विमान अपनी राह पर चल दिया ।

Shri P. Venkatasubbaiah: In order to provide security to the civilian passengers who travel by our aircraft, may I know whether the government propose to give any protection, because it has unfortunately happened that the plane by which the Gujarat Chief Minister was travelling has been shot down?

Mr. Speaker: That would be a different thing; it is being investigated.

Shri P. Venkatasubbaiah: Is any protection given to our civil planes?

Shri Raj Bahadur: Necessary safety measures have been taken so far as IAC flights are concerned.

अध्यक्ष महोदय : श्री यशपाल सिंह ।

श्री यशपाल सिंह : मुझे क्वैश्चन नम्बर 753 पर सवाल पूछने का मौक़ा दिया जाय ।

अध्यक्ष महोदय : यह वायदा मैं कैसे कर सकता हूं ?

Removal of Dairies in the Capital

*753. **Shri Bagri:** Will the Minister of **Food and Agriculture** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that all the private dairies are being removed from Delhi and New Delhi to a far distant place;

(b) whether it is a fact that the majority of the people get their milk supplies from these dairies;

(c) whether it is also a fact that the Delhi Milk Scheme is not in a position to supply milk to a large section of the people; and

(d) if so, the alternate arrangements being made to supply milk to the majority of the people who get their supplies from the private dairies?

The Deputy Minister in the Ministry of Food and Agriculture (Shri Shahnawaz Khan): (a) The question of removal of private dairies from the city areas to the periphery is being looked into by a Committee set up by the Ministry of Works and Housing. The Committee has not yet completed its work. There is no likelihood of removal of private dairies from the city areas in the immediate future.

(b) and (c). Yes, Sir.

(d) If and when private dairies are shifted from the city, Delhi Milk Scheme will have to undertake milk supply to the entire city.

श्री बागड़ी : क्या मन्त्री महोदय यह बतलाने की कृपा करेंगे कि दिल्ली शहर और देहात में औसतन एक आदमी को कितना दूध रोज़ाना पड़ता है ?

अध्यक्ष महोदय : अब प्राइवेट मिल्क डेरीज़ का उन को क्या पता होगा। दिल्ली मिल्क स्कीम के बारे में तो उन्हें पता हो भी सकता है ?

श्री बागड़ी : दूध का उन्हें कोई हिसाब ही पता नहीं है और यह डेरीज़ हटाने की बात की जा रही है। दिल्ली में इस वक्त दूध की क्या पोज़ीशन है ?

श्री शाहनवाज खां : अन्दाज़ा लगाया गया है और वह करीबन 5 औंस के पड़ता है।

श्री बागड़ी : हिन्दुस्तान के दूध की जो ख़ुराक है वह दुनिया में ज्यादा दूध वालों के मुकाबले में डेयरी वालों का दूध या दूसरा दूध कौन से दर्जे पर आता है ?

अध्यक्ष महोदय : सारा दूध ? वह तो दोनों जगह अलग अलग होते है ?

श्री बागड़ी : सारे ही दूध के प्रेडेशन दर्जे के बारे में मैं जानना चाहता हूं ?

श्री शाहनवाज खां : मैं सिर्फ इतना ही बतला सकता हूं कि दुनिया में सबसे ज्यादा दूध देने वाले जानवर हिन्दुस्तान में हैं और उनकी पैदावार दुनिया में सबसे कम है।

अध्यक्ष महोदय : वह दूध के जानवरों के बारे में नहीं जानना चाहते बल्कि वह दूध की वैल्यू और ग्रेडेशन जानना चाहते हैं।

श्री शाहनवाज खां : देहात में कुछ ज्यादा है, शहरों में कुछ कम है।

श्री हुकम चन्द कछवाय : पिछली बार यह प्राइवेट डेयरी वाले जो कि बाहर से दूध लाकर यहां दिल्ली में बेचते हैं उनमें से जिन्होंने दूध में पानी मिला कर बेचा था उनको शासन ने पकड़ा और उन को काफ़ी जुर्माना देकर दंडित किया गया था और जेल भी भेजा गया था लेकिन यह दिल्ली दुग्ध योजना जो चलती है उसके द्वारा यह जो दूध में टोंड और डबल टोंड की मिलावट करके बेचा जाता है, पानी वाला दूध बेचा जाता है क्या उसके वास्ते भी सरकार कोई उनको कठोर दंड देने का विचार कर रही है ?

श्री शाहनवाज खां : दिल्ली मिल्क सप्लाई जो दूधसप्लाई करती है उसमें एक तो पाउडर्ड मिल्क होता है जिसमें कि पांच फीसदी चिकनाई या मक्खन होता है, टोंड मिल्क में तीन फीसदी मक्खन होता है और उसके द्वारा बेचे जाने वाले डबल टोंड मिल्क में डेढ़ फीसदी चिकनाई होती है। यह किसी से छिपी हुई बात नहीं है यह एक खुली हुई बात है।

अध्यक्ष महोदय : वह कहते हैं कि कनस्तर वाले पानी मिला कर लाते हैं तो इसको कैसे दूर करेंगे--दिल्ली मिल्क सप्लाई के मार्फत ?

श्री हुकम चन्द कछवाय : मेरा सवाल दूसरा था। उसका कोई उत्तर नहीं आया है।

अध्यक्ष महोदय : वह पानी कैसे दूर कर सकते हैं ?

श्री हुकम चन्द कछवाय : प्राइवेट डेयरी वाले जो पानी मिला कर दूध बेचते थे उन पर जुर्माने किये गये और उनको बन्दी बनाया गया लेकिन यह दिल्ली मिल्क सप्लाई योजना द्वारा जो दूध में टोंड और डबल टोंड की मिलावट की जाती है उन पर कोई ऐक्शन नहीं लिया जाता है तो ऐसा अन्तर करना कहां तक उचित है ? और इस तरह से जनता को शुद्ध दूध कैसे मिल पायेगा ?

The Minister of Food and Agriculture (Shri C. Subramaniam): There is the processing of milk in the hygienic way. After all, it is done everywhere in the world. It is not as if only pure milk is drinkable. It is hygienically processed milk which is drinkable. Unfortunately, in the private dairies the *doodhwalas* add all sorts of things which makes it injurious to health. That is the real difficulty.

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य का कहना है कि अगर मिल्क सप्लाई स्कीम की तरह दूसरे डेयरी वाले दूध में मिलावट करते हैं तो कोई हर्ज नहीं होना चाहिए ।

श्री शाहनवाज खां : फर्क इतना है कि दिल्ली मिल्क सप्लाई वाले जो टोंड और डबल टोंड की मिलावट करते हैं वह खुले खजाने करते हैं और वह हाइजिनिकली प्रोसेस्ड मिल्क होता है और चिकनाई के हिसाब से वह उस दूध के दाम चार्ज करते हैं जबकि यह प्राइवेट डेयरी वाले दूध में पानी की और न जाने क्या क्या अनाप शनाप मिलावट करते हैं और उस मिलावटी दूध को असली दूध के दामों पर बेचते हैं ।

श्री यशपाल सिंह : श्रीमन, मैं एक बात जानना चाहता हूं । सारी दुनिया का यह कायदा है कि दूध का इन्तजाम महिलाएं करती हैं और पानी का इन्तजाम पुरुष करते हैं लेकिन हमारी गवर्नमेंट का उल्टा हिसाब है । दूध का इन्तजाम जनरल शाहनवाज खां को सौंप रक्खा है और पानी का इन्तजाम डा० सुशीला नैयर को सौंप रक्खा है तो क्या सरकार इस बात के लिए सोचेगी कि दूध का काम तो डा० सुशीला नैयर को दिया जाय और पानी का इन्तजाम शाहनवाज खां को सौंप दिया जाय ?

Shri U. M. Trivedi: In view of the answer that has been given, it has become difficult for us to follow whether water is added to milk for making it toned milk or whether there is a particular standard prescribed by the Indian Standards Institution, as fixed under the Prevention of Food Adulteration Order, according to which this toned milk is prepared?

Shri C. Subramaniam: Yes, Sir; there are standards prescribed for toned milk and standard milk. It is according to those standards that these are prepared.

श्री राम सहाय पांडेय : अधिक दूध प्राप्त करने की दृष्टि से मैं जानना चाहता हूं कि दूध देने वाले पशुओं की नसल सुधारने की ओर क्या प्रबन्ध किया गया है ?

श्री शाहनवाज खां : वह अलहदा चीज है लेकिन मैं माननीय सदस्य को बतलाना चाहता हूं कि उसके लिए बहुत से कदम उठाये जा रहे हैं । दिल्ली के चारों तरफ इंटेंसिव कैटिल ब्रीडिंग फार्म्स उसके लिए कायम किये जा रहे हैं ।

श्री विभूति मिश्र : अभी मन्त्री जी ने जवाब दिया कि बाहर से दूध लाकर बेचने वालों का काम बन्द हो जायगा तो क्या यह सही नहीं है कि बाहर के गरीब आदमी साइकलों पर दूध लाद कर दिल्ली में लाते थे उनकी रोजी मर गयी है तो मैं जानना चाहता हूं कि जैसे सरकार शहर में ऐसे पढ़े लिखे लोगों को जो कि बेकार हैं उनको रोजी दिलाने का इन्तजाम करती है उसी तरह यह गांव वालों की जो रोजी मर गयी है तो उनके लिए भी सरकार ने क्या कोई इन्तजाम सोचा है ?

श्री शाहनवाज खां : गांव वालों की रोजी मर नहीं गयी है बल्कि हम तो गांव वालों के पास उनके दरवाजे से दूध खरीदते हैं और उसके एवज में उनको अच्छे दाम देते हैं ।

श्री विभूति मिश्र : गांव के दूधिया लोग हजारों की तादाद में साइकिलों पर दूध लाकर यहां बेचते थे उनकी रोजी मर गयी है, सरकार गावों में दूध ख़रीद करती है तो इस तरह से इन साइकिल वालों की जो रोजी मर गयी है उनकी रोजी के लिए सरकार ने क्या कोई इन्तजाम किया है या उन्हें कोई अन्य उद्यम दिया है ?

अध्यक्ष महोदय : वही तो जवाब मन्त्री जी ने दिया कि हम वहीं गांव में उनके घर पर जाकर दूध ख़रीद लेते हैं और बाक़ी वक्त जो उनका बच जाता है उसमें वह और काम कर लेते हैं ।

Shri P. R. Patel: Most of the dairies in our country have buying and selling agents of milk and they are doing it under some process. Without breeding cattle in that dairy, how are you going to improve the yield of milk and how are you going to see that it is a dairy in the real sense of the word?

Shri C. Subramaniam: We are devoting attention to this aspect and are taking up large intensive cattle breeding schemes in these areas so that there may be sufficient supplies particularly to these dairy projects.

श्री ब्रज बिहारी मेहरोत्रा : क्या मन्त्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि यहां (दिल्ली में) क्या टोंड मिल्क और डबल टोंड मिल्क को मिल्क पाउडर से बनाया जाता है ?

श्री शाहनवाज खां : जी हां । वह मिल्क पाउडर से भी बन सकता है । स्किम्ड मिल्क का जो पाउडर हो, उसमें डेढ़ फ़ीसदी और तीन फ़ीसदी मक्खन मिला कर टोंड मिल्क और डबल टोंड मिल्क बना देते हैं ।

Divorce

*754. **Shri Yashpal Singh:** Will the Minister of Law be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there has been a steep rise in divorce cases recently;

(b) if so, the figures for the last three years for Delhi; and

(c) whether any efforts have been made to find out the causes therefor?

The Deputy Minister in the Ministry of Law (Shri Jaganatha Rao): (a) and (b) No, Sir. The total number of divorce cases in 1964 was 123 while it was 136 in 1962.

(c) Does not arise.

अध्यक्ष महोदय : मेम्बर साहब को क्यों इस बात की इतनी फ़िक्र पड़ गई है ?

श्री उ० मू० त्रिवेदी : इन के पास बहुत आदमी आते हैं ।

श्री यशपाल सिंह : एक तरफ़ तो सरकार सैकुलरिज्म की दुहाई देती है और दूसरी तरफ़ वह हिन्दू धर्म में दखल देती है । हमारे यहां जिनकी शादी हो जाती है, उनको देवी और देवता की तरह पूजने की परम्परा है । विवाह विच्छेद की यह प्रणाली पांच हजार मील से हमारे यहां आई है । मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार सैकुलरिज्म की हिफ़ाजत के लिए इस कानून को ख़त्म करेगी ।

अध्यक्ष महोदय : वह तो इस पार्लियामेंट का पास किया हुआ कानून है । मिनिस्टर साहब उसके बारे में क्या जवाब दे सकते हैं ?

श्री यशपाल सिंह : मैं यह जानना चाहता हूं कि औरतों की तरफ़ से कितने डाइवोर्स हुए और मर्दों की तरफ़ से कितने हुए ।

Shri Jaganatha Rao: I have not got the details of all these cases.

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य ने पूछा है कि औरतों की तरफ से कितने डाइवोर्स हुए और मर्दों की तरफ से कितने हुए । वह यह भी पूछ सकते हैं कि तीसरी पार्टीज ने कितने डाइवोर्स कराए ।

श्री यशपाल सिंह : जो परित्यक्त हैं, जो छोड़े हुए हैं, उनका क्या होगा ।

अध्यक्ष महोदय : श्री हेम बरुआ ।